प्रलिम्सि फैक्ट्स: 04 नवंबर, 2020

- [प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना]
- [COVID-19 श्री शक्ति चैलेंज]
- [हरिकेन एटा]

प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना

Pradhan Mantri Bhartiya Janaushadhi Pariyojana

03 नवंबर, 2020 को केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री ने नई दिल्ली में **प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना** (Pradhan Mantri Bhartiya Janaushadhi Pariyojana- PMBJP) की सविस्तार समीक्षा बैठक की।

//

प्रमुख बिंदु:

- इस समीक्षा बैठक में कहा गया है कि PMBJP ने चालू वित्त वर्ष के पहले सात महीनों (31 अक्तूबर तक) में 6600 जन-औषधि दुकानों के माध्यम से 358 करोड़ रुपए (वित्त वर्ष 2019 में 433 करोड़ रुपए की बिक्री की तुलना में) के फार्मा उत्पादों की बिक्री की है और पूरे वित्त वर्ष में 600 करोड़ रुपए से अधिक की बिक्री होने की उम्मीद जताई गई है।
- गौरतलब है कि **'भारतीय फार्मा पीएसयू ब्यूरो'** (Bureau of Pharma PSUs of India- BPPI), नागरिकों विशेष रूप से समाज के कमज़ोर वर्ग के लोगों की दवाओं पर होने वाले खर्च में कमी लाने के लिये प्रयासरत है। इसके साथ ही BPPI अभिनव उपायों को अपनाने का प्रयास भी कर रहा है ताकि आपूर्ति शृंखलाओं को मज़बूत कर स्थिति को और बेहतर बनाया जा सके।

'भारतीय फार्मा पीएसयू ब्यूरो'

(Bureau of Pharma PSUs of India- BPPI):

- BPPI, प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना की क्रियान्वयन एजेंसी है।
- BPPI का गठन दिसंबर 2008 में भारत सरकार के औषधि विभाग के अंतर्गत किया गया था।
- अप्रैल 2010 में BPPI को एक अलग **कानूनी इकाई** के रूप में **सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860** (Societies Registration Act, 1860) के तहत स्वतंत्र संस्था के रूप में पंजीकृत किया गया।

प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना (PMBJP):

- भारत सरकार द्वारा नागरिकों को सस्ती दवाइयाँ उपलब्ध कराने की योजना को वर्ष 2015-16 में प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना (PMBJP) के रूप में परिवर्तित किया गया था।
- **उद्देश्य:** इसका उद्देश्य भारत के प्रत्येक नागरिक को उचित मूल्य पर गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाएँ उपलब्ध कराकर उनके स्वास्थ्य पर होने वाले खर्च को कम करना है।
- सस्ती दवाओं की बिक्री करने वाली जन औषधि दुकानों की संख्या वर्ष 2014-15 के 99 से बढ़कर वर्तमान में लगभग 6600 तक पहुँच गई है। बिक्री का आँकड़ा भी वर्ष 2014-15 के 7.29 करोड़ रुपए से बढ़कर वर्ष 2019-20 में 433 करोड़ रुपए तक पहुँच गया है।

COVID-19 श्री शक्ति चैलेंज

COVID-19 Shri Shakti Challenge

महिलाओं के नेतृत्त्व वाले 6 स्टार्ट अप्स ने यू.एन. वीमेन (UN Women) के सहयोग से MyGov द्वारा आयोजित **COVID-19 श्री शक्ति चैलेंज** (Shri Shakti Challenge) प्रतियोगिता में जीत दर्ज की है।

प्रमुख बिंदु:

- MyGov ने यू.एन. वीमेन (UN Women) के साथ मिलकर 'COVID-19 श्री शक्ति चैलेंज' को अप्रैल 2020 में शुरू किया था।
- **उद्देश्य:** महिलाओं को स्टार्टअप समाधान के लिये प्रोत्साहन एवं शामिल करने का उद्देश्य उन अभिनव समाधान की खोज करना है जो COVID-19 से निपटने में मदद कर सकता है।
- इस प्रतियोगिता में देश भर से कुल 1265 प्रविष्टियाँ भेजी गईं। पूरी तरह स्क्रीनिंग के बाद निर्णायक समिति (Jury) को प्रस्तुतियों के लिये 25 स्टार्टअप को शॉर्टलिस्ट किया गया।
    - सभी 25 चयनित स्टार्टअप्स ने निर्णायक समिति को अपने समाधान प्रस्तुत किये और इसके बाद उसने स्टार्टअप्स द्वारा प्रस्तावित समाधानों का मूल्यांकन किया जिसमें नवाचार, उपयोगिता, प्रासंगिकता तथा समाज पर उनके विचार के प्रभाव को शामिल किया गया था।
- अगले चरण के लिये 11 फाइनलिस्ट चुने गए जिनमें से प्रत्येक को अपने विचारों को और विकसित करने के लिये 75 हजार रुपए की पुरस्कार राशि प्रदान की गई।
- अंतिम चरण में निर्णायक समिति ने विजेताओं के रूप में शीर्ष 3 प्रविष्टियों का चयन किया और प्रस्तुत समाधानों की उच्च गुणवत्ता को देखते हुए 3 अतिरिक्त प्रविष्टियों को 'प्रॉमिसिंग सॉल्यूशंस' (Promising Solutions) के रूप में मान्यता देने का निर्णय लिया।
- शीर्ष 3 विजेताओं के लिये पहले घोषित 5 लाख रुपए के पुरस्कार के अलावा यू.एन. वीमेन (UN Women) ने 'प्रॉमिसिंग सॉल्यूशंस' (Promising Solutions) के लिये चुने गए 3 स्टार्टअप्स को 2-2 लाख रुपए का इनाम देने की घोषणा की।

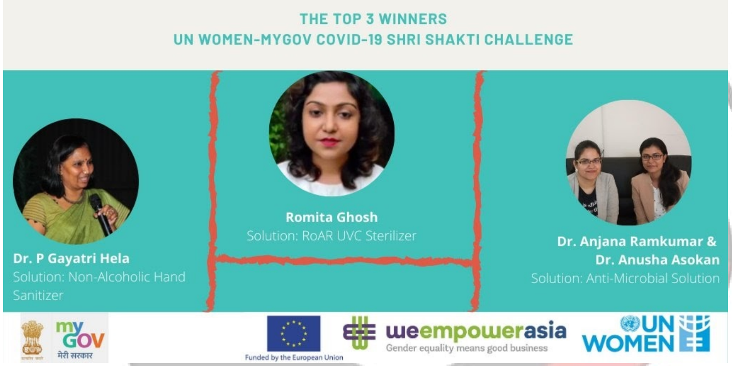

- **शीर्ष 3 विजेता:** डॉ. पी. गायत्री हेला (Dr P Gayatri Hela), रोमिता घोष (Romita Ghosh), डॉ. अंजना रामकुमार (Dr Anjana Ramkumar) एवं डॉ. अनुष्का अशोकन (Dr Anushka Ashokan) [संयुक्त रूप से]।

- **'प्रॉमिसिंग सॉल्यूशंस' (Promising Solutions) की श्रेणी में शीर्ष 3 विजेता:** वसंती पलनीवेल (Vasanthi Palanivel), शिवी कपिल

(Shivi Kapil), जया पाराशर (Jaya Parashar) एवं अंकिता पाराशर (Ankita Parashar)।

हरिकेन एटा

Hurricane Eta

1 नवंबर, 2020 को तूफान की श्रेणी 2 (Category 2) के अंतर्गत आने वाला हरिकेन एटा (Hurricane Eta) भारी बारिश के साथ मध्य अमेरिका से टकराया।

प्रमुख बदिु:

- **'यूएस नेशनल हरिकेन सेंटर' (US National Hurricane Center) के अनुसार, 1 नवंबर, 2020 को हरिकेन एटा (Hurricane Eta) की अधिकतम गति 110 किलोमीटर प्रति घंटे थी, किंतु 3 नवंबर, 2020 को इसकी गति 175 किलोमीटर प्रति घंटे हो गई।**
- यह **निकारागुआ-होंडुरास सीमा** (Nicaragua-Honduras Border) से लगभग 245 मील (390 किलोमीटर) पूर्व में केंद्रित था।
- अटलांटिक हरिकेन मौसम (Atlantic Hurricane Season) में आने वाले तूफानों में हरिकेन एटा (Hurricane Eta) 28वाँ है।
    - हालाँकि यह पहली बार है जब ग्रीक अक्षर एटा (Eta) का उपयोग एक तूफान के नाम में किया गया।
- इस सीज़न में अटलांटिक तूफान का अभी भी एक महीना बाकी है जो 30 नवंबर को समाप्त हो रहा है।

अटलांटिक हरिकेन मौसम

(Atlantic Hurricane Season):

- अटलांटिक हरिकेन मौसम की अवधि 1 जून से 30 नवंबर के मध्य होती है और 'नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फियरिक एडमिनिस्ट्रेशन' (National Oceanic and Atmospheric Administration- NOAA) के अनुसार, एक औसत हरिकेन मौसम में लगभग 12 हरिकेन आते हैं जिनमें से तीन प्रमुख हरिकेन के साथ छह सामान्य हरिकेन बन जाते हैं।
- जबकि पूर्वी प्रशांत तट पर हरिकेन मौसम की अवधि 15 मई से 30 नवंबर के मध्य होती है।

हरिकेन का वर्गीकरण:

- हरिकेन या उष्णकटिबंधीय चक्रवात (Tropical cyclone) को **सैफिर-सिंपसन विंड स्केल** (Saffir-Simpson Hurricane Wind Scale) के आधार पर वर्गीकृत किया जाता है। इसमें हवा की गति के आधार पर 1 से 5 तक की रेटिंग दी जाती है।

सैफिर-सिम्पसन हरिकेन विंड स्केल

(Saffir-Simpson Hurricane Wind Scale):

- सैफिर-सिम्पसन हरिकेन विंड स्केल में 1 से 5 तक रेटिंग होती है जो हरिकेन की गति पर आधारित होती है। यह स्केल संपत्ति के संभावित नुकसान का अनुमान लगाता है।

श्रेणी	हवाओं की गति	हरिकेन से होने वाले नुकसान के प्रकार
1	119-153 किमी/घंटा	कुछ नुकसान
2	154-177 किमी/घंटा	व्यापक नुकसान
3 (गंभीर)	178-208 किमी/घंटा	विनाशकारी क्षति
4 (गंभीर)	209-251 किमी/घंटा	प्रलयकारी नुकसान
5 (गंभीर)	252 किमी / घंटा या अधिक	प्रलयकारी नुकसान

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/prelims-facts-04-november-2020